सरकारी कर्मचारियों के लिये सहकारी भंडार

1170. श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री गुलशन :
श्री ओंकार सिंह :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों की सुविधा के लिये सहकारी भंडारों की योजना शुरू की है ;

(ख) यदि हां, तो ये भंडार कहां-कहां खोले जायेंगे ; और

(ग) कितने भंडार खोले जायेंगे और वह कब तक चालू हो जायेंगे ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) जी हां ।

(ख) मागदर्शी-प्रायोजन के रूप में दिल्ली में भंडार पहले ही खोल दिये गये हैं, और बम्बई, कलकत्ता और मद्रास में भी स्थापित किये जा रहे हैं ।

(ग) दिल्ली में 18 भंडार खोले गये हैं । बम्बई, कलकत्ता तथा मद्रास में खोले जाने वाले भंडारों की संख्या निश्चित नहीं की गई है ।

Nehru Museum

1171. **Maharajkumar Vijaya Ananda:**
Shri Vishwa Nath Pandey:

Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Soviet Indologists propose to send materials fo inclusion in the Nehru Museum;

(b) if so, the details of the articles already received or likely to be received; and

(c) what other proposals have been made by the Soviet Indologists for the enrichment of the Museum?

The Minister of Education (Shri M. C. Chagla): (a) The Government have no information, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

कास्टिक सोडा दिया जाना

1172. श्री उइके :
श्री विद्या चरण शुक्ल :

क्या **पैट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार द्वारा कास्टिक सोडा का प्रदाय राज्यों के लघु उद्योगों की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु किया जा रहा है ;

(ख) यदि हां, तो इस प्रयोजन के लिये कास्टिक सोडा कहां से प्राप्त किया जाता है ;

(ग) क्या यह सच है कि राज्यों को उसका प्रदाय अभी तक नहीं दिया गया है ; और

(घ) यदि हां, तो इसका कब तक इंतजाम होने की संभावना है ?

पैट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अलगेसन) : (क) लघु-उद्योगों की कास्टि सोडा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये भारत सरकार स्टट ट्रेडिंग कारपोरेशन द्वारा विभिन्न राज्यों को आयात कास्टिक सोडा के प्रदाय की व्यवस्था करती है ।

(ख) आयात मुख्यतः संयुक्त राज्य अमरीका और रुपयों के रूप में अदायगी पाने वाले देशों से प्राप्त होता है ।

(ग) जी नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।